देवर भाभी की चुदाई-8

“प्रेषक : नामालूम सम्पादक : जूजा जी ‘सच.. देख राजू, मोटे-तगड़े लंड की कीमत एक औरत ही जानती है। इसको मोटा-तगड़ा बनाए रखना। जब तक तेरी शादी नहीं होती मैं... [Continue Reading] ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: शुक्रवार, अक्टूबर 3rd, 2014
Categories: भाभी की चुदाई
Online version: देवर भाभी की चुदाई-8

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

देवर भाभी की चुदाई-8

प्रेषक : नामालूम
सम्पादक : जूजा जी
‘सच.. देख राजू, मोटे-तगड़े लंड की कीमत एक औरत ही जानती है। इसको मोटा-तगड़ा बनाए रखना। जब तक तेरी शादी नहीं होती मैं इसकी रोज़ मालिश कर दूँगी।’

‘आप कितनी अच्छी हैं भाभी, वैसे भाभी इतने बड़े लंड को लवड़ा कहते हैं।’

‘अच्छा बाबा, लवड़ा.. सुहागरात को बहुत ध्यान रखना। तेरी बीवी की कुँवारी चूत का पता नहीं क्या हाल हो जाएगा। इतना मोटा और लम्बा लौड़ा तो मेरे जैसों की चूत भी फाड़ देगा।’

‘यह आप कैसे कह सकती हैं ? एक बार इसे अपनी चूत में डलवा के तो देखिए।’

‘हट नालायक।’ भाभी बड़े प्यार से बहुत देर तक लंड की मालिश करती रहीं। जब मुझसे ना रहा गया तो बोला- भाभी आओ मैं भी आपकी मालिश कर दूँ।’

‘मैं तो नहा चुकी हूँ।’

‘तो क्या हुआ भाभी मालिश कर दूँगा तो सारी थकावट दूर हो जाएगी, चलिए लेट जाइए।’

भाभी को मर्द का स्पर्श हुए तीन महीने हो चुके थे, वो थोड़े नखरे करने के बाद मान गईं और पेट के बल चटाई पर लेट गईं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘भाभी ब्लाउज तो उतार दो.. तेल लगाने की जगह कहाँ है, अब शरमाओ मत.. याद है ना.. मैं आपको नंगी भी देख चुका हूँ।’

भाभी ने अपना ब्लाउज उतार दिया। अब वो काले रंग के ब्रा और पेटीकोट में थीं।

मैं भाभी की टाँगों के बीच में बैठ कर उनकी पीठ पर तेल लगाने लगा। चूचियों के आस-पास मालिश करने से वो उत्तेजित हो जाती थीं।

फिर मैंने ब्रा का हुक खोल दिया और बड़ी-बड़ी चूचियों को मसलने लगा। भाभी के मुँह से सिसकारी निकलने लगीं। वो आँखें मूंद कर लेटी रहीं।

खूब अच्छी तरह चूचियों को मसलने के बाद मैंने उनकी टाँगों पर तेल लगाना शुरू कर दिया।
जैसे-जैसे तेल लगाता जा रहा था, पेटीकोट को ऊपर की ओर खिसकाता जा रहा था। मेरा अंडरवियर मेरी टाँगों में फंसा हुआ था, मैंने उसे उतार फेंका।

भाभी की गोरी-गोरी मोटी जांघों के बीच में बैठ कर बड़े प्यार से मालिश की।

धीरे-धीरे मैंने पेटीकोट भाभी के नितंबों के ऊपर सरका दिया। अब मेरे सामने भाभी के विशाल चूतड़ थे।

भाभी ने छोटी सी जालीदार नाइलॉन की पारदर्शी काली कच्छी पहन रखी थी जो कुछ भी छुपा पाने में असमर्थ थी।

ऊपर से भाभी के चूतड़ों की आधी दरार कच्छी के बाहर थी, फैले हुए मोटे चूतड़ करीब पूरे ही बाहर थे।

चूतड़ों के बीच में कच्छी के दोनों तरफ से बाहर निकली हुई भाभी की लम्बी काली झाँटें

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दिखाई दे रही थीं।

भाभी की फूली हुई चूत के उभार को बड़ी मुश्किल से कच्छी में क़ैद कर रखा था। मैंने उन मोटे-मोटे चूतड़ों की जी भर के मालिश की, जिससे कच्छी चूतड़ों से सिमट कर बीच की दरार में फँस गई।

अब तो पूरे चूतड़ ही नंगे थे। मालिश करते-करते मैं उनकी चूत के आस-पास हाथ फेरने लगा और फिर फूली हुई चूत को मुट्ठी में भर लिया।

भाभी की कच्छी बिल्कुल गीली हो गई थी।

'इसस्स… आआ… क्या कर रहा है.. छोड़ दे उसे, मैं मर जाऊँगी… तू पीठ पर ही मालिश कर.. नहीं तो मैं चली जाऊँगी।'

'ठीक है भाभी पीठ पर ही मालिश कर देता हूँ।' मैं भाभी की टाँगों के बीच में थोड़ा आगे खिसक कर उनकी पीठ पर मालिश करने लगा।
ऐसा करने से मेरा तना हुआ लवड़ा भाभी की चूत से जा टकराया। अब मेरे तने हुए लंड और भाभी की चूत के बीच छोटी सी कच्छी थी।
भाभी की चूत का रस जालीदार कच्छी से निकल कर मेरे लंड के सुपारे को गीला कर रहा था।

मैं भाभी की चूचियों को दबाने लगा और अपने लंड से भाभी की चूत पर ज़ोर डालने लगा। लंड के दबाव के कारण कच्छी भाभी की चूत में घुसने लगी। बड़े-बड़े नितंबों से सिमट कर अब वो बेचारी कच्छी उनके बीच की दरार में धँस गई थी।

भाभी के मुँह से उत्तेजना भरी सिसकारियाँ निकलने लगीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझसे ना रहा गया और मैंने एक ज़ोरदार धक्का लगाया, मेरे लंड का सुपारा भाभी की जालीदार कच्छी को फाड़ता हुआ उनकी चूत में समा गया।

'आआहह…ऊई… उई माँ… ऊऊफ़.. यह क्या कर दिया राजू… तुझे ऐसा नहीं करना चाहिए.. छोड़ मुझे, मैं तेरी भाभी हूँ… मुझे नहीं मालिश करवानी।'

लेकिन भाभी ने हटने की कोई कोशिश नहीं की। मैंने थोड़ा सा दबाव डाल कर आधा इंच लंड और भाभी की चूत में सरका दिया।

'अई…ऊई तेरे लवड़े ने मेरी कच्छी तो फाड़ ही दी, अब मेरी चूत भी फाड़ डालेगा।' मेरे मोटे लवड़े ने भाभी की चूत के छेद को बुरी तरह फैला दिया था।

'भाभी आप तो कुँवारी नहीं हैं.. आपको तो लंड की आदत है..!'

'अई… मुझे आदमी के लंड की आदत है घोड़े के लंड की नहीं… चल निकाल उसे बाहर…।' लेकिन भाभी को दर्द के साथ मज़ा आ रहा था।

उसने अपने चूतड़ों को हल्का सा उचकाया तो मेरा लंड आधा इंच और भाभी की चूत में सरक गया।

अब मैंने भाभी की कमर पकड़ कर एक और धक्का लगाया। मेरा लंड कच्छी के छेद में से भाभी की चूत को दो भागों में चीरता होता हुआ 5 इंच अन्दर घुस गया।

'आआआआहह… आ….आ. मर गई… छोड़ दे राजू फट जाएगी… उई…धीरे राजा… अभी और कितना बाकी है ? निकाल ले राजू, अपनी ही भाभी को चोद रहा है।'

मैं भाभी की चूचियों को मसलते हुए बोला- अभी तो आधा ही गया है भाभी, एक बार पूरा डालने दो, फिर निकाल लूँगा।'

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

‘हे राम.. तू घोड़ा था क्या पिछले जनम में… मेरी चूत तेरे मूसल के लिए बहुत छोटी है।’

मैंने धीरे-धीरे दबाव डाल कर तीन इंच और अन्दर पेल दिया।

‘भाभी, मेरी जान थोड़े से चूतड़ और ऊँचे करो ना…!’

भाभी ने अपने भारी नितंब और ऊँचे कर दिए। अब उनकी छाती चटाई पर टिकी हुई थी। इस मुद्रा में भाभी की चूत मेरा लंड पूरा निगलने के लिए तैयार थी।

अब मैंने भाभी के चूतड़ों को पकड़ कर बहुत ज़बरदस्त धक्का लगाया। पूरा 10 इन्च का लवड़ा भाभी की चूत में जड़ तक समा गया।

‘आआहह… मार डाला.. उई… अया… अ..उई… सी..आ… अया…. ओईइ.. मा…कितना जालिम है रे..आह….ऐसे चोदा जाता है अपनी भाभी को.. पूरा 10 इंच का मूसल घुसेड़ दिया..!’

भाभी की चूत में से थोड़ा सा खून भी निकल आया। अब मैं धीरे-धीरे लंड को थोड़ा सा अन्दर-बाहर करने लगा। भाभी का दर्द कम हो गया था और वो भी चूतड़ों को पीछे की ओर उचका कर लंड को अन्दर ले रही थीं।

अब मैंने भी लंड को सुपारे तक बाहर निकाल कर जड़ तक अन्दर पेलना शुरू कर दिया। भाभी की चूत इतनी गीली थी कि उसमें से ‘फ़च-फ़च’ की आवाज़ पूरे कमरे में गूंजने लगी।

‘तू तो उस साण्ड की तरह चढ़ कर चोद रहा है रे.. अपनी भाभी को… ज़िंदगी में पहली बार किसी ने ऐसे चोदा है… अया…आ..अई. ह…उई.. ओह…’

अब मैंने लंड को बिना बाहर निकाले भाभी की फटी हुई कच्छी को पूरी तरह फाड़ कर उनके जिस्म से अलग कर दिया और छल्ले की तरह कमर से लटकते हुए पेटीकोट को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उतार दिया।

भाभी अब बिल्कुल नंगी थी। चूतड़ उठाए उनके चौड़े नितंब और बीच में से मुँह खोले निमंत्रण देती, काली लम्बी झाँटों से भरी चूत बहुत ही सुन्दर लग रही थी।

भारी-भारी चूतड़ों के बीच गुलाबी गाण्ड के छेद को देख कर तो मैंने निश्चय कर लिया कि एक दिन भाभी की गाण्ड ज़रूर मारूँगा।

बिल्कुल नंगी करने के बाद मैंने फिर अपना 10 इंच का लवड़ा भाभी की चूत में जड़ तक पेलना शुरू कर दिया। भाभी की चूत के रस से मेरा लंड सना हुआ था। मैंने चूत के रस में ऊँगली गीली करके भाभी की गाण्ड में सरका दी।

मुझे आप अपने विचार यहाँ मेल करें।
कहानी जारी रहेगी।
https://www.facebook.com/profile.php?id=100006959715292
मुझे आप अपने विचार यहाँ मेल करें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Video Scandals

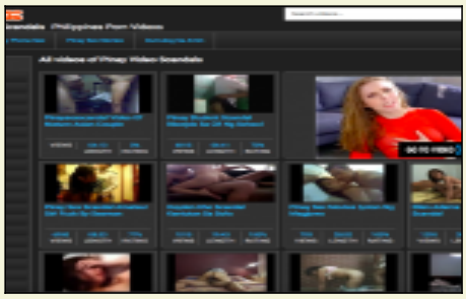

URL: www.pinayvideoscandals.com **Average traffic per day:** 22 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Video and story **Target country:** Philippines Watch latest Pinay sex scandals and read Pinay sex stories for free.

Wahed

URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

Arab Phone Sex

URL: www.arabphonesex.com **CPM:** Depends on the country - around 1,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Kannada sex stories

URL: www.kannadasexstories.com **Average traffic per day:** 13 000 GA sessions **Site language:** Kannada **Site type:** Story **Target country:** India Big collection of Kannada sex stories in Kannada font.

Clipsage

URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Indian Porn Videos

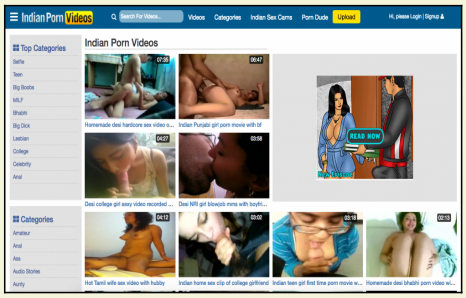

URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire